यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना **जय महावीर** **जय गुरु राम**

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा–2024

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न–उत्तर पत्र भाग – 10

अंक 97+3–100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोट:-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे। (परीक्षा दिनांक 015.09.2024)

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न–1. नीचे लिखी गाथाओं को पूरा करो– **18**

1. आसीविसो यावि .....
.....नत्थि मोक्खो।।

2. जस्संतिए धम्मपयाइँ .....
..... मणसा य निच्चं।।

3. जहा ससी .....
.....सोहई मिक्खुमज्झे।।

4. भवइ य इत्थ सिलोगो .....पुणो अहिदि्ठए
.....आययदिठ्ए।।

5. जिणवयणरए अतिंतिणे .....
.....भावसंघए।।

6. नो इत्थीणं कहं .....
.....तं कह मिति चे।।

7. कूइयं रूइयं .....

..... विवज्जए।।

8. नित्य नियम चोदह .....

.....आश्रव द्वार।।

9. अष्टम, पाक्षिक .....

.....प्रायश्चित .....धार।।

10. हो बंधनो से मुक्त .....

मै कौन .....।।

11. यह प्राप्त .....

मानो .....विधान हो।।

12. दुज्जए कामभोगे .....

..... पणिहाणवं।।

प्रश्न 2. नीचे लिखी गाथाओं का अर्थ लिखो। **12**

1. सिया हु से पावय नो डहेज्जा, आसीविसो वा कुविओ न भक्खे
सिया विसं हलाहलं न मारे, न यावि मोक्खो गुरूहीलणाए।।

.....

.....

2. आयरियपाया पुण अप्पसन्ना, अबोहि आसायण नत्थि मोक्खो
तम्हा अणाबाहसुहाभिकंखी, गुरूप्पसायाभिमुहो रमेज्जा।।

.....

.....

3. विणए, सुए, तवे य आयरे निच्च पंडिया।
अभिरामयंति अप्पाणं, जे भवंति जिइंदिया।।

.....

.....

4. जाई मरणाओ मुच्चई, इत्थंयं च जहाति सव्वसो।
सिद्धे वा भवइ सासए, देवे वा अप्परए महिडिढ्ए।।

.....

.....

5. पणीयं भत पाणं तु खिप्पं मय विवड्ढणं।

बभचेर-रओ भिक्खू-निच्चसो परिवज्ए।।

.....

.....

6. नो पणीयं आहारं आहारिता हवइ से निग्गंथे।

तं कहमिति चे।।

.....

.....

7. देव-दाणव गंधव्वा, जक्ख-रक्खस किन्नरा।

बंभयारि, नमसंति, दुक्करं जे करंति तं।।

.....

.....

प्रश्न 3. चरण बताइये- **7**

1. जे हीलिया सिहिरिव भास कुज्जा

.....

2. सुतं व सीहं पडिबोहएज्जा

.....

3. लज्जा दया संजमे बंभचेर

.....

4. आयरे निच्च पंडिया

.....

5. गतभूसणमिंट्ठ चं

.....

6. अरू विश्राम चार का सुमिरन

.....

7. क्षण क्षण भंयकर भाव मरना

.....

प्रश्न 4. पद पहचान कर आगे की गाथा लिखो- **5**

1. जो वा विसं खायइ जीवियटठी .....

2. सोच्चाण मेहावी सुभासियाइं .....

3. तवसा धुणइ पुराणपावगं .....

4. सुविसुद्धो सुससमाहियप्पओ .....

5. नाइ मतं तु भुंजेन्जा .....

प्रश्न 5.संक्षेप में उत्तर दीजिए– **20**

1. काय योगी का उत्कृष्ट अंतर अन्तमुर्हूर्त्त किस अपेक्षा से घटित हुआ समझाइए।

.....

.....

2. संवेदी के 3 प्रकार को सविस्तार लिखो?

.....

.....

3. जीव कौन कौनसी इन्द्रियों के रहित उत्पन्न होता है और कौनसी इन्द्रियों सहित उत्पन्न होता है व कौनसी इन्द्रियाँ शरीर से संबंध रखती है?

.....

.....

4. चारित्र मोहनीय के कितने भेद है व शोक व जुगुप्सा में अन्तर बताइये?

.....

.....

5. रंगूजी के साथ कौनसी दो सतियों ने दीक्षित होकर कल्प को पूरा किया व तीनों सतियां किन महासती की सेवा में पहुंची?

.....

.....

6. रोहिणेय चोर द्वारा भगवान महावीर के मुखार बिन्द से सुने 2 वचन लिखिए?

.....

.....

7. लोकाशाह ने समाज के कौनसे पाखण्ड़ो व धर्म की कौनसी विडम्बना को देखकर शुद्ध जैनत्व का प्रचार करने का संकल्प किया?

.....

.....

8. कुब्ज संस्थान व वामन संस्थान में अंतर स्पष्ट करें?

.....

.....

9. श्रावक कैसा होना चाहिए?

.....

.....

10. उत्सर्ग व अपवाद का तात्पर्य बताइये?

.....

.....

प्रश्नप 6. अंकों में उत्तर दीजिए- **10**

1. केवली आहारक का उत्कृष्ट अंतर कितना? .....
2. अवधि दर्शन की उत्कृष्ट काय स्थिति? .....
3. महासतीजी रंगूजी का स्वर्गवास कौनसे सवत् में हुआ? .....
4. लोकाशाह के कितने वर्ष में माता से वियोग हो गया? .....
5. साध्वीवर्या एक गाँव में कितने रात्री से अधिक नहीं रूक सकती है? .....
6. आटे की परात का धोवन कितने समय बाद अचित्त होता है? .....
7. पूज्य हुक्मीचंद म.सा. ने कितने वर्षो तक बेले-बेले तपस्या की? .....
8. गति पद में देवी की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी? .....
9. अतंराय कर्म में भोगांतराय कर्म कौनसे कर्म की प्रकृति है? .....
10. जीव के माता के कितने अंग? .....

प्रश्न 7. एक शब्द में उत्तर दीजिए- **10**

1. साधु प्रतिक्रमण में कौनसी पाटी का उच्चारण करते है? .....
2. साधु व श्रावक क्या है? (किसके स्तर है?) .....
3. मात्रक में मलमूत्र विसर्जन के अनेक कारण कौनसे सूत्र से है? .....
4. काय अपरित का अर्थ कौनसे जीवों से लिया जाता है? .....
5. जिसका चरम भव नही होगा वह है? .....
6. दर्शनावरणीय कर्म को किसकी उपमा दी है? .....
7. किसके गर्भ की उत्कृष्ट स्थिति 12 वर्ष है? .....
8. जो स्वभाव लोक व अलोक के सभी पदार्थ में पाया जाता है? .....
9. किसकी वजह से न चाहते हुए भी रोहिणेय चोर ने भगवान के वचन सुने? .....
10. केला किससे उत्पन्न नहीं होता है? .....

प्रश्न 8. सही या गलत– **5**

1. जीव की काय स्थिति सर्वकाल की है– ( )
2. ग्रहण योग्य वर्गणा 6 प्रकार की है– ( )
3. सीलन का संघट्टा मानना– ( )
4. रोहिणेय का पकड़ने का बीड़ा श्रेणिक राजा ने उठाया– ( )
5. साधुजी 4–5 प्रकार के पात्र रख सकते है– ( )

प्रश्न 9. खाली स्थान भरो– **5**

1. आज भी लोग वीर लोकाशाह के .....को याद करते है।
2. पर्याय ..... विशेष के भेद से दो प्रकार की है।
3. मोहनीय कर्म सभी कर्मों का .....है।
4. दृढ़ संकल्पी की सदा .....होती है।
5. गर्भस्थ जीव मुख से .....नहीं करता है।

प्रश्न 10. पूर्ण सचित पूर्ण अचित व सचित भी अचित भी को अलग कीजिए– **5**

नीम्बू, साजी का फूला, सोर चूल्हा, बर्फ का गोला, भोडर, फिटकरी, अखरोट, तकिए में भरी हवा, जावंत्री, खारक।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....